B-III
L-05
MIH

बंगाल में द्वैध शासन - 1765-72

प्रारम्भ क्लाइव ने किया - 1765
समाप्त - वारेन हेस्टिंस - 1772

द्वैध शासन क्या है :-

1765 से 72 के मध्य बंगाल में कम्पनी ने नवाब के शासन के सन्दर्भ में द्वैध शासन शब्द का प्रयोग किया जाता है नवाब के पास प्रशासनिक अधिकार थे और कंपनी के पास दिवानी अधिकार हालांकि व्यवहार में प्रशासनिक अधिकार भी कंपनी के पास ही था।

द्वैध शासन क्यों :-

- आम लोगों के विरोध का भय।
- भारतीय शासकों के विरोध का डर।
- यूरोपियन कंपनियाँ भी ब्रिटिश कंपनी का विरोध कर सकती थी।
- कंपनी को भारत में प्रशासन का विशेष अनुभव नहीं था।
- प्रत्यक्ष नियंत्रण की स्थिति में ब्रिटिश सरकार के हस्तक्षेप में भी वृद्धि की संभावना।
- कम्पनी का मुख्य उद्देश्य था भारतीय राजस्व पर नियंत्रण इस राजस्व से भारतीय उत्पादों को

खरीदना, अप्रत्यक्ष नियंत्रण से यह उद्देश्य भी पूरा हो रहा था।

- प्रारम्भ से ही सावधानी पूर्वक किसी क्षेत्र पर प्रत्यक्ष नियंत्रण स्थापित करने के लिए।

क्लाइव - भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के संस्थापक के रूप में :-

- क्लाइव ने ईस्ट इण्डिया कंपनी मे एक सामान्य कर्मचारी के रूप में व्यवसायिक जीवन की शुरूआत की, योग्यता के तौर पर उसे सेना में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। अंततः भारत में उसे दो बार गवर्नर भी बनाया गया।
- द्वितीय कर्नाटक युद्ध के दौरान विपरीत परिस्थितियों में कर्नाटक में अंग्रेजों की स्थिति को मजबूत बनाया।
- इसी प्रकार 1756 में कलकत्ता में भी अंग्रेजो की स्थिति अच्छी नही थी मद्रास से क्लाइव के नेतृत्व में सेना भेजी गई और कलकत्ता पर पुनः नियंत्रण स्थापित हुआ।
- इतना ही नही बंगाल में चन्द्रनगर पर कब्जा और सिराजुद्दौला के लिए षड़यंत्र तथा प्लासी की लड़ाई में अंग्रेजों का नेतृत्व क्लाइव ने किया।
- 1757 से 1760 के बीच बंगाल पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण रखा बंगाल से धन एवं सेना को तृतीय कर्नाटक युद्ध में भेजा गया जो कि अंग्रेजों की

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

सफलता का महत्वपूर्ण कारण बना।

- बक्सर के युद्ध के पश्चात अवध एवं मुगल शासक से सान्धि क्लारव के द्वारा की गई बंगाल में द्वैध शासन की शुरूआत भी क्लारव ने की।

- क्लारव के नेतृत्व में कम्पनी बंगाल बिहार, उड़ीसा और कर्नाटक में एक राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित हुई और इसी नियंत्रण को आधार बनाकर अंग्रेजों ने क्रमशः पूरे हिन्दुस्तान को जीता।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR